

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-75

दिनांक: बुधवार, 30 सितम्बर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0 एवं 22.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 95 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 90 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.8 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.8 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 4.7 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से०मी० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.9 एवं दोपहर में 33.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि 22.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(30 सितंबर – 04 अक्टूबर, 2026)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 30 सितंबर से 04 अक्टूबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के अधिकांश स्थानों पर मौसम आमतौर पर साफ रहने की संभावना है। हालांकि 04 अक्टूबर को शिवहर, मधुबनी, सीतामढ़ी एवं दरभंगा जिलों के एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 30–34°C तथा न्यूनतम तापमान 22–25°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 75–90% तथा दोपहर में 55–60% के आसपास रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवा मुख्यतः पूर्वी दिशा से 5–10 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए रबी फसलों जैसे- तोरी की बुआई एवं आलू की रोपाई के लिए खेत की तैयारी करें।
- धान: खेतों में गंधी बग के प्रकोप के लिए नियमित निगरानी करें। इसके प्रभाव से दाने सफेद एवं खोखले हो सकते हैं। प्रकोप दिखाई देने पर सुबह या शाम के समय फोलिडोल चूर्ण 10–15 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें।
- उड़द: उड़द में पीला शिरा मोजेक रोग की नियमित निगरानी करें। यह रोग सफेद मक्खी द्वारा फैलता है, इसलिए रोगग्रस्त एवं सफेद मक्खी से प्रभावित पौधों को तुरंत उखाड़कर खेत से बाहर नष्ट करें। इसके बाद सफेद मक्खी के प्रभावी नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली प्रति लीटर पानी या ट्रायजोफॉस 40 ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- शकरकंद: शकरकंद की बुआई जल्द से जल्द समाप्त करें। बुआई के लिए हल्की बलुई दोमट एवं उचित जल निकास वाली भूमि का चयन करें। पहली जुताई से पहले 100 क्विंटल कम्पोस्ट प्रति हेक्टेयर मिट्टी में मिलाएं। अंतिम खेत तैयारी के समय 60 किग्रा नत्रजन, 40 किग्रा फास्फोरस एवं 60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। उत्तर बिहार के लिए राजेंद्र शकरकंद-5, राजेंद्र शकरकंद-35, राजेंद्र शकरकंद-47, राजेंद्र शकरकंद-43, श्री भद्रा, कालमेघ एवं राजेंद्र शकरकंद-92 उपयुक्त किस्में हैं। 30 × 30 सेमी की दूरी रखें।
- मिश्रीकंद: ऊंचास जमीन में मिश्रीकंद की बुआई पुरा कर लें। उत्तर बिहार के लिए राजेंद्र मिश्रीकंद-1 एवं राजेंद्र मिश्रीकंद-2 अनुशंसित किस्में हैं। 50–55 किग्रा बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें तथा 15 × 15 सेमी की दूरी रखें। खेत की तैयारी के समय 200 क्विंटल कम्पोस्ट के साथ 80 किग्रा नत्रजन, 60 किग्रा फास्फोरस एवं 80 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर दें। बुआई के समय नत्रजन की आधी तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार खाद के रूप में दें। शेष नत्रजन बुआई के 40–45 दिन बाद उपरिवेशन के रूप में दें।

आज का अधिकतम तापमान: 33.0 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 22.0 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.9 डिग्री सेल्सियस कम

डॉ० ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी